Lecture Series No:- 50.

Online Class
Date - 7/[illegible]/2022,
Day -
Time - 10:to 10:50 A.M

Topic,

(1) Vaisesika.

Dr. Sunita Kumari
Department of Philosophy,
B.A part - I
Paper - (S.)
A.N.D. College Shahpur Patory,
Samastipur,

Ans:-

सामान्य वह पदार्थ है, जिसके कारण एक ही प्रकार के विभिन्न व्यक्तियों को एक जाति के अन्दर रखा जाता है। उदाहरण स्वरूप, राम, श्याम, मोहन इत्यादि व्यक्तियों में भिन्नता होने के बावजूद उन सबों को मनुष्य कहा जाता है। ठीक यह बात गाय, घोड़ इत्यादि जातिवाचक शब्दों पर लागू होती है। संसार की समस्त गायों को गाय के वर्ग में रखे जाते हैं। हमारे सामने यह प्रश्न उठता है कि कौन सी वस्तु है, जिसके आधार पर संसार में विभिन्न वस्तुओं को एक नाम से पुकारा जाता है? उसी सत्ता को सामान्य (Universality) कहा जाता है।

P.T.O.

व्यक्ति - विशेष जन्म लेते है, और मरते है, किन्तु सामान्य नित्य है। (eternal) सामान्य द्रव्यों, गुणों एवं कर्मों में विद्यमान रहता है। भारतीय विचारधारा में सामान्य के सम्बन्ध में तीन प्रकार के मतपाये जाते है।:-

(i) नामवाद (Nominalism):- इस मत के अनुसार व्यक्ति से स्वतंत्र सामान्य की सत्ता नही है। एक प्रकार का नाम करण है।

व्यवहारिक जीवन में सुविधा एवं सहुलियत के अनुसार अनेक व्यक्तियों को एक ही नाम से पुकारते है। सभी मनुष्य को एवं सभी गायों को 'गाय' नाम से पुकारते है। इस मत के अनुसार ("नाम" "etc.")

'END'